भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं .727
मंगलवार, 25 जुलाई ,2023/3 श्रावण, 1945 (शकको उत्तरार्थ (

राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस विकसित करना

†727 श्री राजा अमरेश्वर नाईक :

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय सहकारी डाटाबेस विकसित कर रही है और इसका पहला चरण वर्ष 2023 मे शीघ्र जारी किए जाने का प्रस्ताव है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और आंकड़े एकत्र करने के कुल कितने चरण है; और
(ग) देश में कार्यरत सहकारी समितियों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह)

(क) एवं (ख): सहकारिता मंत्रालय चरणबद्ध तरीके से एक व्यापक राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित कर रहा है। चरण-I के तहत, तीन क्षेत्रों यानी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी और मत्स्य पालन की लगभग 2.64 लाख प्राथमिक सहकारी समितियों की मैपिंग फरवरी, 2023 में पूरी हो चुकी है। चरण- II के तहत, राष्ट्रीय सहकारी समितियों व फेडरेशन का मैपिंग कार्य पूरा कर लिया गया है। चरण-III के तहत, डेटाबेस को अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत शेष सहकारी समितियों तक बढ़ाया जा रहा है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस चरण-III के अंतर्गत डेटा संग्रह पूरा होने पर जारी किया जाएगा।

(ग): भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (NCUI) द्वारा प्रकाशित भारतीय सहकारी आंदोलन की सांख्यिकीय प्रोफ़ाइल-2018 के अनुसार, देश में राज्य-वार सहकारी समितियां अनुलग्नक में दी गई हैं।

******

अनुलग्नक

देश में राज्य-वार सहकारी समितियाँ

क्र .सं .	**राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का नाम**	**सहकारी समितियों की संख्या**
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	2104
2	आंध्र प्रदेश	73218
3	अरुणाचल प्रदेश	783
4	असम	10246
5	बिहार	39169
6	चंडीगढ़	243
7	छत्तीसगढ	11364
8	दिल्ली	6360
9	गोवा	3822
10	गुजरात	77550
11	हरियाणा	24572
12	हिमाचल प्रदेश	5394
13	जम्मू और कश्मीर #	2020
14	झारखंड	13855
15	कर्नाटक	40938
16	केरल	19263
17	लक्षद्वीप	81
18	मध्य प्रदेश	47415
19	महाराष्ट्र	205886
20	मणिपुर	9237
21	मेघालय	1555
22	मिजोरम	1437
23	नागालैंड	9059
24	ओडिशा	17330
25	पुदुचेरी	532
26	पंजाब	17437
27	राजस्थान	28459
28	सिक्किम	5464
29	तमिलनाडु	24482
30	तेलंगाना	65156
31	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	390
32	त्रिपुरा	2067
33	उत्तर प्रदेश	48188
34	उत्तराखंड	5623
35	पश्चिम बंगाल	33656
	कुल	**854355**

स्रोत :NCUI द्वारा प्रकाशित भारतीय सहकारी आंदोलन की सांख्यिकीय प्रोफ़ाइल 2018-

जम्मू और कश्मीर (UT) के आंकड़ों मे लद्दाख (UT) के आंकड़े भी शामिल है।

*****